**दृश्य 1**

**रोशनी। महल के बगीचे। राम और सीता मंच में प्रवेश करते हैं। वे इधर-उधर घूमते हैं, बात करते हैं और हंसते हैं जैसे कि कथाकार बोलता है। पृष्ठभूमि में पक्षियों को सुना जा सकता है।**

कथावाचक १: एक बार की बात है, एक महान योद्धा राजकुमार राम थे, जिनकी सीता नाम की एक सुंदर पत्नी थी।

**राम और सीता चलना बंद कर देते हैं और मंच के बीच में खड़े हो जाते हैं।**

सीता: **(आकाश की ओर देखते हुए)** कितना सुंदर दिन है।

राम: **(सीता की ओर देखते हुए)** आपकी सुंदरता की तुलना में कुछ भी नहीं है।

सीता: **(मुस्कुराते हुए)** चलो चलते हैं।

**राम और सीता मंच के चारों ओर घूमते रहते हैं, बात करते हैं और हंसते हैं क्योंकि कथाकार जारी रहता है।**

कथावाचक १: राम राजा के ज्येष्ठ पुत्र थे। वह एक अच्छे इंसान थे और देश के लोगों के बीच लोकप्रिय थे। वह एक दिन राजा बनेगा, हालाँकि उसकी सौतेली माँ चाहती थी कि उसके बेटे को उसके बदले सिंहासन विरासत में मिले।

**राम की सौतेली माँ मंच में प्रवेश करती है।**

रमा की सौतेली माँ: **(गुस्से में)** तुम दोनों किस बात से इतने खुश हो?

रमा: हम इस खूबसूरत सुबह का आनंद ले रहे हैं। सौतेली माँ, आज तुम कैसी हो?

राम की सौतेली माँ: तुम क्यों परवाह करते हो, राम? **(उसकी सांस के तहत जैसे ही वह मंच छोड़ती है)** मुझे तब तक खुशी नहीं होगी जब तक वह लड़का नहीं जाता।

रमा: मुझे आशा है कि मैंने उसे परेशान नहीं किया?

सीता: आप एक दयालु व्यक्ति हैं और जानबूझकर किसी को परेशान नहीं करेंगे।

**राम और सीता मंच छोड़ते हैं और रोशनी करते हैं।**